समाचार विज्ञप्ति

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के महानिदेशक, डॉ. अजय माथुर को ग्लोबल एलाइंस द्वारा एक दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में सम्मानित किया गया

- विभिन्न महाद्वीपों के चार ऊर्जा दक्षता दूरदर्शियों को एएसई पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार ऊर्जा दक्षता के प्रति भारत के प्रयासों को मान्यता देता है।

नई दिल्ली, 12 मई, 2010 : वॉशिंगटन बीसी, अमेरिका स्थित एलाइंस टू सेव एनर्जी (एएसई) ने केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अधीन एक संवैधानिक निकाय, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के महानिदेशक, डॉ. अजय माथुर को सम्मानित किया। डॉ. माथुर को वॉशिंगटन में आयोजित एक समारोह में चार महाद्वीपों के तीन अन्य व्यक्तियों के साथ ऊर्जा दक्षता दूरदर्शी पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्य पुरस्कार विजेताओं में प्रोग्रामा पैस डी एफिशिएंसिया एनर्जेटिका (पीपीईई) की ओर से जिमेना ब्रॉन्फमैन, चिली के ऊर्जा उप मंत्री; संयुक्त राष्ट्र में स्वीडन के राजदूत जोनास हाफस्ट्रॉन्ग, स्वीडन राज्य की ओर से और घाना गणतंत्र के ऊर्जा मंत्री डॉ. जोसेफ ओटेंग–एडजेयी शामिल हैं। इन विजेताओं को एएसई की ईई ग्लोबल इंटरनेशनल स्टीरिंग कमेटी (आईएससी) द्वारा चुना गया था।

एलाइंस टू सेव एनर्जी जाने माने व्यापार, सरकार, पर्यावरण संबंधी और उपभोक्ता अग्रणियों का एक गठबंधन है, जो दुनिया भर में दक्ष और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन देता है। यह ऊर्जा दक्षता नीतियों का समर्थन करता है जो समाज और वैयक्तिक उपभोक्ताओं को इसकी लागत न्यूनतम बनाएं और ग्रीन हाउस उत्सर्जनों को कम करने के साथ वैश्विक मौसम पर इनके प्रभाव को घटाएं। एलाइंस के अध्यक्ष कटेरी कालाहन ने कहा "हम उपमंत्री ब्रॉन्फमैन, राजदूत हैफस्ट्रॉन्ग, महानिदेशक डॉ. माथुर और मंत्री ओटेंग–एडजेयी द्वारा ऊर्जा दक्षता की वैश्विक उन्नति में असाधारण योगदान देने के लिए उन्हें मान्यता प्रदान करते हैं – जो एलाइंस टू सेव एनर्जी का एक मुख्य अभियान है।

विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की स्थापना देश में ऊर्जा दक्षता नीतियों की सेवाओं के लिए आपूर्ति प्रक्रिया को संस्थागत बनाने एवं सुदृढ़ करने के लिए एवं विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय लाने के लिए की गई थी।

पुरस्कार प्राप्त करने पर डॉ. अजय माथुर ने कहा "एलाइंस पुरस्कार पाना बड़े सम्मान की बात है। यह हमारी ऊर्जा मांगों के प्रबंधन के प्रति हमारे देश के प्रयासों को दी गई मान्यता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के साथ ऊर्जा की मांग भी पर्याप्त रूप से बढ़ रही है। ऐसे परिदृश्य में ऊर्जा संसाधनों का दक्ष उपयोग और उनका संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है और यह अनिवार्य है कि इसकी अनावश्यक खपत में कमी लाई जाए, ताकि स्थायी विकास किया जा सके। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो में हमारा फोकस अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में पूरे भारत की ऊर्जा

खपत को युक्ति संगत बनाना है और यह पुरस्कार हमारे कार्यक्रमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है।''

डॉ. माथुर प्रधानमंत्री मौसम परिवर्तन परिषद के सदस्य भी हैं, जिन्होंने ब्यूरो को ऊर्जा दक्षता के प्रति भारत के बाजार रूपांतरण को प्रेरित करने का नेतृत्व प्रदान किया है। बीईई में कार्यभार संभालने से पहले डॉ. माथुर ने ऊर्जा अनुसंधान, निधिकरण और कार्यान्वयन पर कार्य किया है; उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में विश्व बैंक की मौसम परिवर्तन टीम का नेतृत्व किया है तथा वे नई दिल्ली में स्थित टेरी (द एनर्जी एण्ड रिसोर्सिस इंस्टीट्यूट); के ऊर्जा अभियांत्रिकी प्रभाग में रहे हैं और सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के अध्यक्ष भी रहे हैं। वे तीन पुस्तकों के सह लेखक और अंतरशासकीय मौसम परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) रिपोर्टों के मुख्य लेखकों में से एक रहे हैं।

बीईई ने उपकरणों तथा उपस्करों के लिए भारत के मानक और लेबलिंग कार्यक्रम, इसकी ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता और औद्योगिक ऊर्जा दक्षता के कार्यक्रमों तथा भवनों, लाइटिंग और नगर निगम क्षेत्रों के मांग पक्ष के प्रबंधन की शुरूआत की है। हाल में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने बचत लैम्प योजना आरंभ की है जो यूएनएफसीसीसी द्वारा अनुमोदित विश्व की सबसे बड़ी स्वच्छ विकास प्रक्रिया (सीडीएम) बन गई है।

बीईई के ऊर्जा बचत उपायों के वांछित प्रभाव प्रदर्शित हुए हैं। वर्ष 2007–08 और 2008–09 के दौरान इनके परिणाम स्वरूप 10,259 मिलियन यूनिट बिजली की प्रत्यक्ष सत्यापित बचत और पांच मिलियन टन तेल समकक्ष ईंधन बचत हुई है। नए कार्यक्रमों की शुरूआत के साथ बड़े उद्योगों और अत्यंत दक्ष उपस्करों पर केन्द्रित कार्यक्रमों के साथ लंबी अवधि में और अच्छे परिणाम मिलने की आशा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री सौरभ भटनागर, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, फोन : 011–26179699, saurabh.bee@gmail.com